Today's Poem – 02.07.2014

हमें टाइम पर वापस अपने घर है जाना

इसलिए याद की रफ़्तार बढ़ाना और दुःखधाम को भूल जाना

आत्मा है छोटी बिन्दी जो पार्ट बजाती ही रहती

कभी नहीं थकती

बाप समान विदेही बनना

शरीर का भान छोड़ते जाना

अपनी बुद्धि को विशाल बनाना

किसी को दुःख नहीं देना

बाप का रिगार्ड रखना

अशांति नहीं फैलाना

खुश रहना

ख़ुशी बाँटना

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!